परिचय (Introduction)

चूरू कस्बा राजस्थान के उतरी–पूर्वी संभागीय मुख्यालय बीकानेर से 180 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है। प्रशासनिक दृष्टि से यह राजस्थान का जिला मुख्यालय है। चूरू उतरी–पश्चिमी रेलवे का एक महत्पूर्ण रेलवे स्टेशन है। जो देश की राजधानी दिल्ली, राज्य की राजधानी जयपुर तथा संभागीय मुख्यालय बीकानेर से जुडा है। पूर्व मे यह मीटरगेज रेल्वे लाईन पर था जो अब ब्रॉडगेज हो चुकी है। सड़क मार्ग से भी जयपुर, बीकानेर, सीकर, झुंझुनू जिलो से तथा अन्य कस्बा से चूरू भलीभांति जुडा हुआ है, तथा थार रेगिस्तान में 28''8' उतरी आक्षांश एव 74''58' पूर्वी देशांतर के माध्य समुद्र तल से 286 मीटर की उॅचाई पर स्थित है।

चूरू कस्बे के विकास के साथ–साथ जनसंख्या भी लगातार तीव्र गति से बढने लगी है। सन् 1901 में 15657 व्यक्ति थे, जो बढकर सन 1951 मे 40047 हो गये। वर्ष 1991 से 2001 मे जनसंख्या क्रमशः 82852,101853 थी एवं वर्ष 2010 में पुरानी आबादी वाले क्षेत्रो का धनत्व अधिक है व बाहरी क्षेत्रो मे धनत्व कम है। शहर के विकास के साथ साथ आवासीय मकानो की सघनता, तंग सडको पर निरन्तर बढता हुआ यातायात, अनियोजित एवं मिश्रित वाणिज्यिक उपयोग सार्वजनिक अर्द्ध–सार्वजनिक सुविधाओ के अभाव जैसी अनेक समस्याऐं उत्पन्न होती जा रही है। नगर में हो रहे विकास एवं अन्य सुविधाऐं उपलब्ध कराई जानी अपेक्षित है। नगर के गन्दे पानी की निकासी एवं जल प्रवाह क्षेत्र को नियोजित करना जरूरी है तथा आम जनता के लिये स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के दृष्टिकोण से अव्यवस्थित विकास को रोकना जरूरी है।